>

Title: Need to expedite the work on NHDP-3 in Bihar.

श्री राधा मोहन सिंह (पूर्वी चम्पारण): महोदय, बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में जो कमजोरी हो रही है, उसकी ओर मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं।

महोदय, एनएचडीपी फेज-1 स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को वर्ष 2007 में पूरा करना था, लेकिन सासाराम, बिहार की सोन नदी पर पुल अभी भी अधूरा है। एनएचडीपी फेज-2 पूर्वी-पश्चिमी कोरीडोर बिहार में 513 किलोमीटर है। 15 पैकेजों में निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। पहला पैकेज वर्ष 2002 में पूरा करना था, अभी तक मात्र एक पैकेज यातायात के लिए खोला गया है। शेष पैकेजों में 25 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हुआ है। उसमें काम करने वाली एजेंसियों में से चार के बारे में बिहार सरकार ने लिखकर भी भेजा है, उन एजेंसियों से समाप्त करके उनसे काम लिया जाए, क्योंकि उनका काम बिलकुल नगण्य है।

महोदय, 26 जून 2004 को भारत सरकार के सम्माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री पटना गए थे, उन्होंन 890 किलोमीटर एनएच को एनएचडीपी के फेज-3 में चार लेन में चौड़ीकरण की घोषणा पटना में की थी और इसे लिया भी गया।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Thank you. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्री राधा मोहन सिंह : महोदय, यही तो मेरा विषय है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You cannot make a long speech like this. You have raised the issue.

...(*Interruptions*)

श्री राधा मोहन सिंह : इन्होंने जो घोषणा की थी...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You are reading a statement. You can place it on the Table of the House, and that will form part of the record. Otherwise, you can speak in one sentence.

...(*Interruptions*)

श्री राधा मोहन सिंह : महोदय, उसकी घोषणा किए हुए साढ़े चार वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, लेकिन उसे अभी तक शुरू नहीं किया गया है। पटना - बख्तियारपुर, मोतीहारी-रक्सौल एवं पटना-गया डोभी के लिए अभी तक डीपीआर भी फाइनल नहीं हुआ है । एनएच की 1935 किलोमीटर सड़क के लिए पैसा नहीं दिया जा रहा है। बिहार की सरकार चार सौ करोड़ रूपये अपने खजाने से निकालकर खर्च कर रही है। मैं आपके माध्यम से इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।